भारतीय निर्यात-आयात बैंक

प्रेस विज्ञप्ति

विज्ञप्ति क्रमांक :11/2009 22/06/2009 को 1300 बजे से पूर्व प्रकाशित न किया जाए।

लघु व्यवसाय प्रतिस्पर्धा विकास कार्यक्रम पर कॉमनवेल्थ सेमिनार में अति सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों पर एक्ज़िम बैंक के अध्ययन का विमोचन

एक्ज़िम बैंक के अध्ययन ''अति सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा वैश्वीकरण'' का विमोचन कॉमनवेल्थ-भारत लघु व्यवसाय प्रतिस्पर्धा विकास कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर 21 जून, 2009 को, बैंगलोर में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वारा किया गया। अध्ययन भारत तथा चुनिंदा देशों में संस्थागत सहायता प्रणाली को प्रमुख विशेषताओं को विश्लेषित करता है जिसका उद्देश्य एम एस एम ई रणनीतियों के विविध क्षेत्रों जिसमें वित्तपोषण, प्रौद्योगिकी विकास, क्षमता विकास तथा बाजार सूचना आदि को समझते हुए इस क्षेत्र के वैश्वीकरण प्रयासों का सुगमीकरण करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय निर्यात-आयात बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री टी.सी वैंकट सुब्रमणियन ने कहा कि अति-सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों (एमएसएमई) से वित्तपोषण प्रस्तावों का मूल्यांकन करते समय उनके गैर-वित्तीय मानदंडों तथा क्षमताओं पर भी विचार किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में श्री सुब्रमणियन ने एमएसएमई इकाइयों के ऋण-प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए भारतीय एक्ज़िम बैंक तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ के एक संगठन अंतरराष्ट्रीय ट्रेड सेंटर, जिनेवा द्वारा संयुक्त रूप से विकसित तथा भारत में प्रायोगिक आधार पर प्रारंभ किए गए एक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित टूल 'loan.com' का विशेष रूप से उल्लेख किया।

भारत तथा चुनिंदा देशों में संस्थागत सहायता प्रणाली का विश्लेषण करते हुए एक्ज़िम बैंक के अध्ययन में बताया गया है कि भारत सहित अधिकांश देशों में एम एस एम ई के विकास के लिए '' विकेंद्रीकृत व्यवस्था'' रखने की प्रवृत्ति है तथापि अपेक्षित परिणामों के लिए संवर्द्धक कार्यक्रमों तथा संस्थाओं के बीच बेहतर ताल-मेल स्थापित करना आवश्यक है। इसके साथ ही एम एस एम ई इकाइयों को विशेषकर प्रौद्योगिकी उन्मुख क्षेत्रों में बड़ी कंपनियों के वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा बनना जरूरी है; और इस प्रकार एमएसएमई इकाइयों में क्षमता निर्माण करने एवं उनके वैश्वीकरण प्रयासों में उन्हें सहायता पहुंचाने के

लिए सरकार, बहुराष्ट्रीय निगमों सहित बड़ी कंपनियों, दाता संगठनों तथा अन्य इसी प्रकार के मध्यवर्तियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अध्ययन में विभिन्न देशों में अपनायी जा रही पद्धतियों के आधार पर यह बताया गया है कि एमएसएमई इकाइयां यदि एक दूसरे के पूरक के रूप में साझी गतिविधियों,साझे सामान तथा साझी संबद्धता स्थायित्व के साथ क्लस्टर वातावरण में कार्य करें तो उच्च दर्जे की प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल कर सकती हैं। इसके साथ ही अध्ययन में यह भी रेखांकित किया गया है कि एमएसएमई इकाइयों के लिए व्यवसाय संवर्द्धन तथा सहायता नेटवर्क को लक्ष्यित क्षेत्रों तथा विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए ठीक ढंग से संरचित किया जाना आवश्यक है। साथ ही अब तक उपेक्षित किंतु सबसे आवश्यक कार्य क्षेत्र है बीमार इकाइयों को सहायता प्रदान कर उन्हें असफल होने से बचाना। भारत में विशेष रूप से एमएसएमई उद्यमों के लिए बिजनेस टर्नअराउंड पेशे को संस्थागत फ्रेमवर्क के जरिए प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। एमएसएमई उद्यमों की शुरुआत के लिए समन्वित उपाय तैयार तथा कार्यान्वित किए जाने चाहिए जिसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए युवा उद्यमियों, महिला उद्यमियों को लक्ष्यित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही एमएसएमई उद्योग क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान गतिविधियों को समन्वित रूप से बढ़ावा देने वाली विशिष्ट संस्थाओं की भी आवश्यकता है जो अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों, प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के नए क्षेत्रों, शोध एवं अनुसंधान के व्यापारीकरण अवसरों तथा एमएसएमई उद्यमों के शोध एवं अनुसंधान प्रयासों को आगे बढ़ाने में मददगार हो सकें। इन रणनीतियों के अतिरिक्त अध्ययन में इस बात का भी प्रस्ताव किया गया है कि देशों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के परस्पर अदान-प्रदान के लिए सरकार को अपनी एमएसएमई रणनीतियों को क्षेत्रीय व्यापार करार वार्ताओं में शामिल किया जाना चाहिए।

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क कीजिए : श्री एस. प्रहलादन, महाप्रबंधक, शोध एवं आयोजना समूह, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, केंद्र एक भवन, 21 वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केंद्र संकुल, कफ परेड, मुंबई-400 005 टेलीफोनः (022) 2217 2301 फैक्सः (022) 2218 0743,

ई-मेल : prahalathan@eximbankindia.in

फोटो कैप्शन

भारतीय निर्यात-आयात बैंक के प्रकाशन ''अति सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम तथा वैश्वीकरण-भारत तथा चुनिंदा देशों में संस्थागत सहायता प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण'' को 21 जून, 2009 को बैंगलोर में आयोजित 9वें कॉमनवेल्थ-भारत लघु व्यवसाय प्रतिस्पर्धा विकास कार्यक्रम के उद्‌घाटन समारोह के अवसर पर भूतपूर्व राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वारा विमोचित किया गया।